



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 310]

No. 310]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 30, 2004/पौष 9, 1926

NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 30, 2004/PAUSA 9, 1926

संस्कृति मंत्रालय .

संकल्प

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 2004

सं. 2-16/2004-यू.एस. (अकादमी).—जबकि भारत सरकार ने दिनांक 1 नवम्बर, 2004 के अपने संकल्प संख्या 2-16/2004-यू.एस. (अकादमी) के जरिए भाषाओं को श्रेष्ठ भाषाओं के रूप में वर्गीकृत करने संबंधी भाषी मांगों पर विचार करने के लिए 6 भाषा-विज्ञान विशेषज्ञों की एक समिति गठित की थी। अब सरकार ने उक्त समिति में नीचे दिए अनुसार दो और भाषा-विज्ञान विशेषज्ञों को मनोनीत करने का निर्णय किया है :

1. प्रो. वी. सी. कुलंदई स्वामी  
41/23, एम.जी.आर. रोड,  
बेसेंट नगर,  
चेन्नई-600090
2. श्री टी.एस. के. कन्नन  
नया नं. 8, पुराना नं. 35,  
श्रीराम नगर, तिरुवनमियूर,  
चेन्नई-600041

निबंधन और शर्तें पूर्ववत् हैं।

के. जयकुमार, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF CULTURE****RESOLUTION**

New Delhi, the 21st December, 2004

**No. 2-16/2004-US (Akademies)**—Whereas the Government of India vide their Resolution No. 2-16/2004-US (Akademies) dated 1st November, 2004 had set up a Committee consisting of 6 Linguistic Experts to consider the future demands for categorization of languages as classical languages. The Government has now decided to nominate two more Linguistic Experts to the Committee as details below :

1. Prof. V.C. Kulandai Swamy  
41/23, M.G.R. Road  
Beasant Nagar,  
Chennai-600090
2. Shri T.S.K. Kannan  
New No. 8, Old No. 35  
Sriram Nagar, Thiruvannmiyur  
Chennai-600041.

The terms and conditions remain the same.

K. JAYAKUMAR, Jt. Secy.